By Akhilesh Kumar (Assist. Professor)
Jk college Biraul Darbhanga
YouTube :A commerce Education

Notes BY: AKHILESH KUMAR(Guest Teacher)

DEPARTMENT OF COMMERCE

JANTA KOSHI COLLEGE BIRAUL, DARBHANGA

FOR-LNMU B. Com part-2 Subsidiary paper -3 Indian economy and entrepreneurship development

Unit- 5 Entrepreneurship Development And For I. com

Entrepreneurship Lecture -4 Date – 21-07-2020

Easy to understand the concept

प्रश्न 1. ‘उद्यमी‘ शब्द का क्या अर्थ है? उद्यमी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- उद्यमी’ अथवा साहसी (Entrepreneur) उस व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कहते हैं, जो व्यावसायिक जोखिम को झेलता है, उपक्रम की स्थापना के लिए आवश्यक प्रबन्ध व्यवस्था का कार्य करता है तथा अपने व्यवसाय में सदैव नए-नए परिवर्तनों को लागू करता है अर्थात् उद्यमी जोखिम उठाने के लिए तत्पर रहता है तथा चुनौतियों का सामना करता है।

उद्यमी वह होता है, जो कोई नई और कुछ भिन्न वस्तु वनाए। वह भौतिक, मौद्रिक तथा मानवीय संसाधनों को एकत्रित करके अधिक लाभ प्राप्ति के उद्देश्य से किसी नवीन व्यावसायिक उपक्रम की खोज करता है।

उद्यमी के लक्षण (Characteristics of Entrepreneur)

1. **व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह- उद्यमी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह होता है। छोटे उपक्रमों में एकाकी व्यक्ति ही साहसी की भूमिका निभाते हैं, किन्तु बड़ी-बड़ी कम्पनियों में संयुक्त उद्यमियों की आवश्यकता होती है।**

By Akhilesh Kumar (Assist. Professor)
Jk college Biraul Darbhanga
YouTube :A commerce Education

2. ***जोखिम वहनकर्ता-*** *साहसी व्यक्ति सदैव जोखिमों में जीना पसन्द करता है। व्यवसाय में अनेक जोखिमों का ठीक-ठीक पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है। उद्यमी अपनी विवेकपूर्ण योजनाओं व ठोस निर्णयों से जोखिमों का सामना करता है।*

3. ***साधन प्रदान करने वाला-*** *साहसी उपक्रम की स्थापना के लिए सभी आवश्यक संसाधनों, जैसे-पूँजी, श्रम, भूमि आदि की व्यवस्था करता है।*

4. ***नए उपक्रम की स्थापना-*** *साहसी नई आर्थिक क्रिया या उपक्रम की पहल करता है एवं उसे स्थापित करता है।*

5. ***नव प्रवर्तनकर्ता (Innovator)-*** *साहसी अपने व्यवसाय में सदैव नवीन परिवर्तनों व नए सुधारों को स्थान देता है, व नयी वस्तु, नयी उत्पादन विधि, नए संयन्त्र, नए कच्चे माल तथा नए औजारों की खोज करता है।*

6. **उच्च उपलब्धियों में विश्वास-** साहसी सदैव कठोर परिश्रम व दृढ़ संकल्प के द्वारा उच्च प्राप्तियों (High Achievements) में विश्वास रखते हैं।

7. **कार्य की सन्तुष्टि-** साहसी व्यक्तियों के लिए उनका 'कार्य' (Work) ही अपने-आप में लक्ष्य एवं सन्तुष्टि का एक बड़ा कारण होता है। यद्यपि वे सामाजिक प्रतिष्ठा एवं आत्म-सन्तुष्टि के साथ-साथ मौद्रिक प्रतिफल भी प्राप्त करते हैं, किन्तु मौद्रिक लाभ उनके लिए गौण (Secondary) होता है।

8. **स्वतन्त्रता प्रेमी-** साहसी व्यक्ति कहीं नियुक्ति पाने की बजाय स्वतन्त्र जीवन व्यतीत करना पसन्द करते हैं। साहसी का स्वतन्त्र प्रकृति के कारण नौकरी की प्रति झुकाव नहीं होता।

9. **अवसरों का विदोहन (Exploitation of Opportunities)-** साहसी सदैव व्यावसायिक अवसरों की खोज में रहता है। वह इनका विदोहन करके लाभ अजित करता है।

10. आशावादी दृष्टिकोण- ***साहसी व्यक्ति का दृष्टिकोण आशावादी होता है। वह व्यावसायिक चुनौतियों से हार नहीं मानता, न ही हानि की दशा में निराश होता है।***

11. गतिशील प्रतिनिधि (Dynamic Agent) ***साहसी व्यावसायिक परिवर्तनों के द्वारा सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को गतिशील वना देता है।***

12. नेतृत्वकर्ता- ***साहसी व्यावसायिक जगत का अग्रणी होता है। वह व्यवसाय एवं उद्योग को नेतृत्व प्रदान करता है तथा समाज को एक नई दिशा देता है।***

13. कार्य में लीन- ***साहसी अपने लक्ष्य का चयन करके उसकी प्राप्ति के लिए पूर्णतः व्यस्त हो जाता है। वह बिना डींग मारे अपने लक्ष्य की ओर चुपचाप वढ़ता रहता है।***

14. साहसी का प्रतिफल 'लाभ' है- ***साहसी को अपनी सेवाओं के फलस्वरूप लाभ की प्राप्ति होती है, जो सदैव अनिश्चित होता है।***